

प्रेषक:

एस0एस0वल्लिया,
उप सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल,
देहरादून।

युवा कल्याण अनुभाग:

देहरादून दिनांक 18 मार्च 2008

विषय: केन्द्र पोषित योजनान्तर्गत जनपद पौड़ी में निर्माणाधीन स्टेडियमों हेतु राज्यांश की धनराशि के आवंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 949/तीन- 1473 /2007-2008, दिनांक 04 दिसम्बर 2007 तथा वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-1044(1)/XXVII/2007 दिनांक 04 दिसम्बर 2007 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद पौड़ी के अन्तर्गत विभिन्न स्थलों रौंसी, कोट, बुगीधार तथा नैनीडाडा में निर्माणाधीन स्टेडियमों हेतु राज्यांश के रूप में प्रथम अनुपूरक मांग के माध्यम से प्राप्त धनराशि रु० 47.02 लाख की श्री राज्यपाल महोदय निम्नानुसार आपके निवर्तन पर रखते हुए व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

क्र०स०	आउटडोर स्टेडियम का नाम	स्वीकृत धनराशि (रु० लाख में)
1.	नैनीडाडा	13.50
2.	रौंसी	6.52
3.	कोट	13.50
4.	बुगीधार	13.50
	कुल योग:-	47.02

- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत / अनुमोदित दरों को जो दरें शिडयूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता को अनुमोदन आवश्यक होगा।
- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन / मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों / विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भू-भौतिक निरीक्षण उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ताओं से अवश्य करा ले। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय। निर्माण कार्य के न्यूनतम तीन चरणों के छायाचित्र निर्माण इकाई द्वारा वित्तीय / भौतिक प्रगति के साथ उपलब्ध कराये जायेंगे, यथा निर्माण कार्य के पूर्व का रिक्त भूमि का चित्र, निर्माण के मध्य का चित्र व पूर्ण निर्मित राजना का चित्र।
- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है, उसी मद पर व्यय किया जाए, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए।

9. जी0पी0डब्लू फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
10. मुख्य सचिव उत्तरांचल के शासनादेश सं0 2047 XII-219/(2006) दिनांक 30 मई 2006 द्वारा निर्गत आदेशों के कम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करे।
11. शासनादेश संख्या 202/VI-I/07-2(1)/04 दिनांक 27.12.2007 का प्रभावी अनुश्रवण की कार्यवाही करते हुए धनराशि प्राप्त किये जाने की भी कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय।
12. केन्द्रांश की धनराशि प्राप्ति हेतु अनुश्रवण करते हुए ससमय प्राप्त किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
13. 4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूजीगत परियोजना-03- खेलकूद तथा युवक सेवा खेलकूद स्टेडियम- 102-खेलकूद स्टेडियम (लघुशीर्षक 108 के स्थान पर) -01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाए-0103-ग्रामीण क्षेत्रों में खेल अवस्थापना सुविधाओं का विकास के नामे डाला जायेगा।
14. उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा0 पत्र संख्या -1053(P) वित्त अनुभाग-3/2007 दिनांक 15 मार्च 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे है।

भवदीय,

(एस0एस0वह्दिया)
उपसचिव

पृष्ठांकन संख्या: 24 /VI-I/2008-2(1)2004 तददिनांकित
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय देहरादून।
- 3- निजी सचिव, मा0 युवा कल्याण मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- जिलाधिकारी पौड़ी।
- 5- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 6- वित्त अनुभाग-3 उत्तराखण्ड शासन।
- 7- एन0आई0सी0, सचिवालय, देहरादून।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(एस0एस0वह्दिया)
उपसचिव